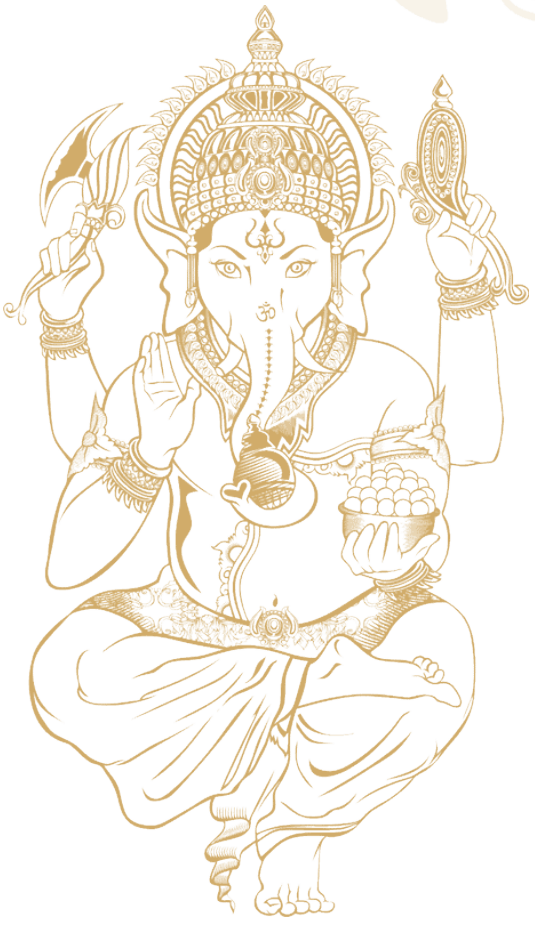

Sahil Kumar

Chahtat Mehta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121362801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121362801 Date: 22/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/07/2001	जन्म तिथि	06/12/2000
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:50:00	जन्म समय	23:43:00 घंटे
घटी 10:35:29	जन्म समय(घटी)	41:23:41 घटी
India	देश	India
Fatehabad	स्थान	Fatehabad
29:31:00 उत्तर	अक्षांश	29:31:00 उत्तर
75:27:00 पूर्व	रेखांश	75:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:12	स्थानिक संस्कार	-00:28:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:48	सूर्योदय	07:09:31
19:31:00	सूर्यास्त	17:29:12
23:52:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:55

सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
शतभिषा	नक्षत्र	रेवती
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	2
आयुष्मान	योग	व्यतिपात
कौलव	करण	गर
सी-सीताराम	जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	सर्प

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 10मा 25दि		17:27:35	सिंह	लग्न	सिंह	13:55:52	बुध 11वर्ष 4मा 29दि	
शनि		24:06:50	मिथु	सूर्य	वृश्चि	21:04:32	शुक्र	
05/06/2025		14:08:43	कुंभ	चंद्र	मीन	21:02:52	07/05/2019	
05/06/2044		21:54:11	वृश्चि व	मंगल	कन्या	26:04:08	07/05/2039	
शनि	08/06/2028	03:10:07	मिथु	बुध	वृश्चि	10:37:42	शुक्र	06/09/2022
बुध	16/02/2031	05:29:50	मिथु	गुरु व	वृष	11:06:54	सूर्य	06/09/2023
केतु	27/03/2032	11:01:05	वृष	शुक्र	मक	04:15:09	चन्द्र	07/05/2025
शुक्र	27/05/2035	16:07:35	वृष	शनि व	वृष	02:15:32	मंगल	07/07/2026
सूर्य	08/05/2036	12:25:53	मिथु व	राहु व	मिथु	22:04:16	राहु	07/07/2029
चन्द्र	08/12/2037	12:25:53	धनु व	केतु व	धनु	22:04:16	गुरु	07/03/2032
मंगल	16/01/2039	00:18:39	कुंभ व	हर्ष	मक	23:44:15	शनि	07/05/2035
राहु	22/11/2041	14:02:41	मक व	नेप	मक	10:39:58	बुध	07/03/2038
गुरु	05/06/2044	19:09:41	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:57:17	केतु	07/05/2039

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:55

लग्न-चलित

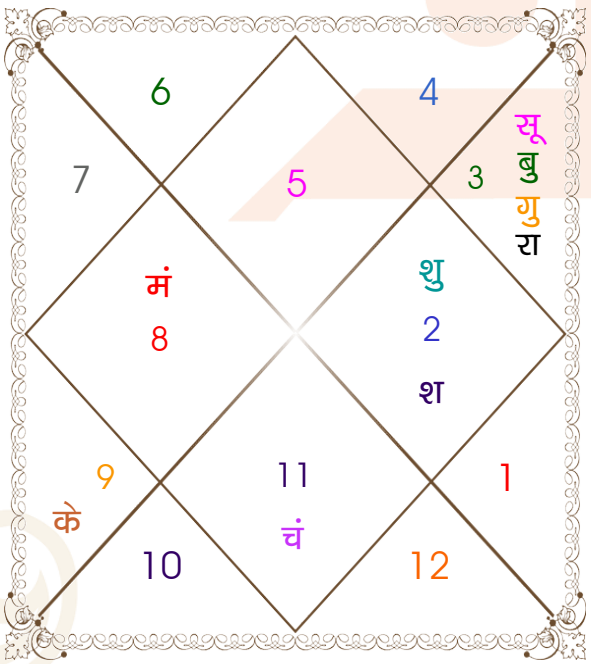

लग्न-चलित

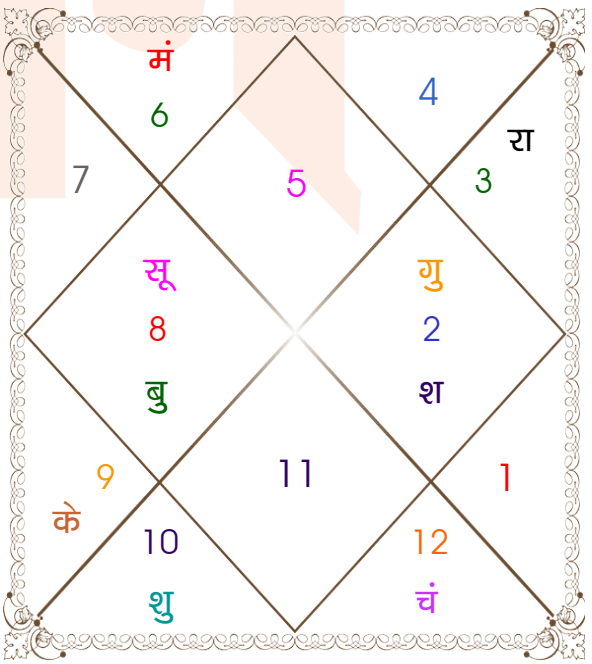

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

कुल : **16.5 / 36**

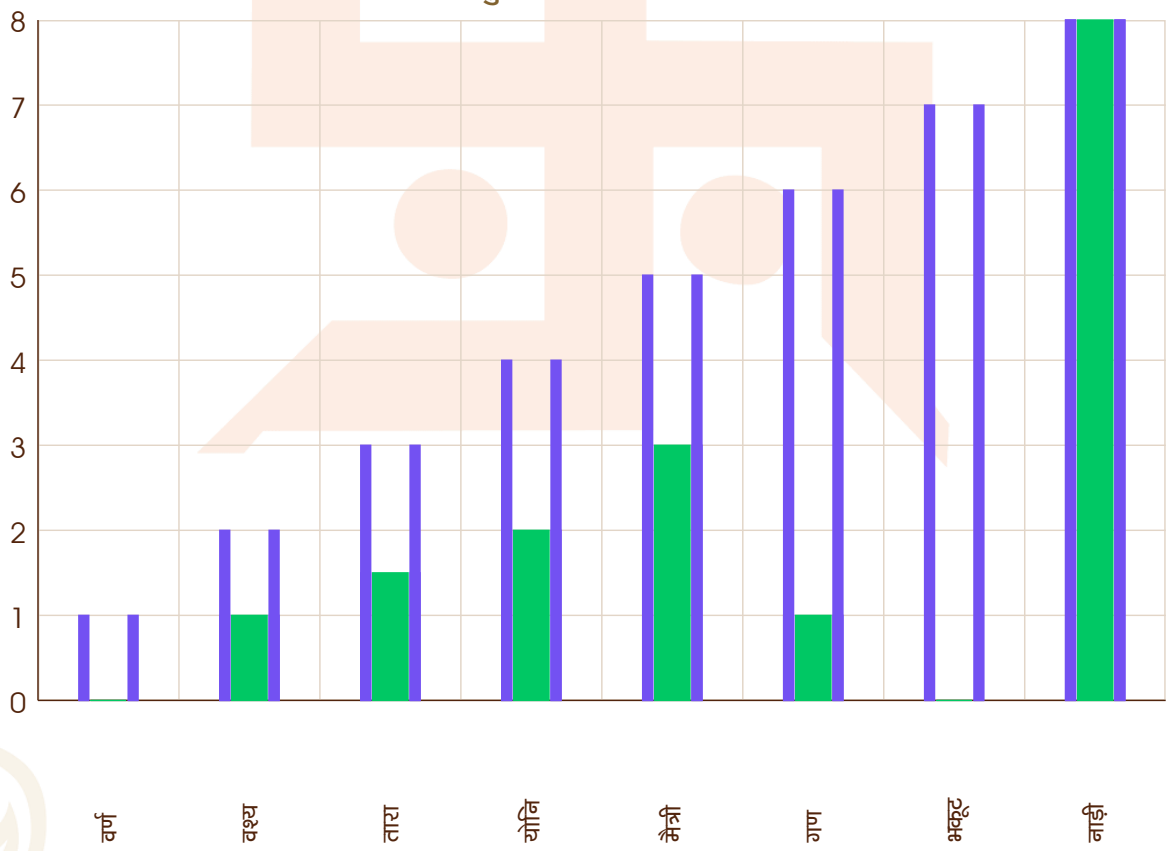

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ौपस ज्ञनउंत का वर्ग मेष है तथा बीजंज डमीजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपस ज्ञनउंत और बीजंज डमीजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपस ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ौपस ज्ञनउंत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल ौपस ज्ञनउंत कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

बीजंज डमीजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु बीजंज डमीजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपस ज्ञनउंत तथा बीजंज डमीजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौपस ज्ञनउंत का वर्ण शूद्र है तथा बींजंज डमीजं का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि बींजंज डमीजं का वर्णौपस ज्ञनउंत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। बींजंज डमीजं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही ौपस ज्ञनउंत के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

ौपस ज्ञनउंत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं बींजंज डमीजं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियेौपस ज्ञनउंत एवं बींजंज डमीजं दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतःौपस ज्ञनउंत बींजंज डमीजं पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकिौपस ज्ञनउंत हमेश बींजंज डमीजं के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

ौपस ज्ञनउंत की तारा वध तथा बींजंज डमीजं की तारा क्षेम है।ौपस ज्ञनउंत की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है।ौपस ज्ञनउंत बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है।ौपस ज्ञनउंत को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु बींजंज डमीजं लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ौपस ज्ञनउंत की योनि अश्व है तथा बींजंज डमीजं की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौपस ज्ञनउंत एवं बींजंज डमीजं दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

ौपस ज्ञनउंत का गण राक्षस तथा बींजंज डमीजं का गण देव है। अर्थात बींजंज डमीजं का गण ौपस ज्ञनउंत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण ौपस ज्ञनउंत निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही ौपस ज्ञनउंत का बींजंज डमीजं के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। बींजंज डमीजं हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

ौपस ज्ञनउंत से बींजंज डमीजं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा बींजंज डमीजं से ौपस ज्ञनउंत की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण ौपस ज्ञनउंत गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। बींजंज डमीजं समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु

प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओरौपस ज्ञनउंत शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

ौपस ज्ञनउंत की नाड़ी आद्य है तथा बींजंज डमीजं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है।ौपस ज्ञनउंत की आद्य नाड़ी तथा बींजंज डमीजं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ौपस ञनउंत की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा बींजंज डमीजं की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। जल एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन भी प्रतिकूल रहेगा अतः यह मिलान विशेष उपयुक्त नहीं होगा।

ौपस ञनउंत की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा बींजंज डमीजं की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर समराशियों में स्थित है। अतःइसके प्रभाव से आपस में प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा। अतः दूसरे के सहयोग से जीवन में सुखभोगने में समर्थ होंगे।

ौपस ञनउंत और बींजंज डमीजं की राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों मे न्यूनता आएगी तथा आपस में विवाद मतभेद तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी जिससे संबंधों में काफी तनाव तथा कटुता उत्पन होगी। अतःौपस ञनउंत और बींजंज डमीजं को सामंजस्य तथा बुद्धिमता से कार्य करना चाहिए।

ौपस ञनउंत का वश्य मानव तथाौपस ञनउंत का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण दोनों की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भिन्नता रहेगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव रहेगा।

ौपस ञनउंत का वश्य शूद्र तथा बींजंज डमीजं का वश्य ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में विषमता रहेगी।ौपस ञनउंत की प्रवृति ईमानदारी से कार्य करने को होगी जबकि बींजंज डमीजं की रूचि शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रहेगी। अतः यदा कदा परस्पर तनाव तथा असमानता का भाव रहेगा।

धन

ौपस ञनउंत और बींजंज डमीजं की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतयाौपस ञनउंत और बींजंज डमीजं समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से बींजंज डमीजं की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील

रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ हीौपस ज्ञनउंत भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिएौपस ज्ञनउंत और बींजंज डमीजं को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

ौपस ज्ञनउंत की नाड़ी आद्य तथा बींजंज डमीजं की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का बींजंज डमीजं के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए बींजंज डमीजं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेौपस ज्ञनउंत और बींजंज डमीजं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तौपस ज्ञनउंत और बींजंज डमीजं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में बींजंज डमीजं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन बींजंज डमीजं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में बींजंज डमीजं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेौपस ज्ञनउंत और बींजंज डमीजं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारौपस ज्ञनउंत और बींजंज डमीजं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

बींजंज डमीजं के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित

अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही बींजंज डमीजं सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि बींजंज डमीजं किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी बींजंज डमीजं को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण बींजंज डमीजं के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

ौपस ज्ञनउंत के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथाौपस ज्ञनउंत अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भीौपस ज्ञनउंत का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों मेंौपस ज्ञनउंत का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदिौपस ज्ञनउंत तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल मेंौपस ज्ञनउंत के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com